मूल्यनिष्ठ शिक्षा से ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण सम्भव–दादी जानकी

आबू रोड, 28 मई, निसं। शिक्षा चरित्र निर्माण सिखाती है। किसी भी व्यक्ति का व्यक्तित्व वहाँ की शिक्षा से पता चलता है। आज बेशक शिक्षा का स्तर बढ़ा है परन्तु मूल्यों का स्तर गिरा है इसलिए जिस श्रेष्ठ समाज का निर्माण होना चाहिए वह अधूरा है। यदि श्रेष्ठ समाज का निर्माण चाहिए तो उसके लिए मूल्यनिष्ठ शिक्षा आवश्यक है। उक्त उदगार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे शान्तिवन में श्रेष्ठ समाज के निर्माण के लिए शिक्षा में नैतिक मूल्य और आध्यात्मिकता विषय पर आयोजित विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षाविदों के महासम्मेलन के उदघाटन अवसर पर बोल रही थी।

आगे उन्होंने कहा कि आज शिक्षक और शिष्य के बीच की दूरियां बढ़ती जा रही है। प्राचीन काल की शिक्षा से भौतिक ज्ञान कम परन्तु पारिवारिक और सामाजिक ज्ञान होने के कारण एकीकृत समाज की स्थापना होती थी। भारत की प्राचीन मूल्योंयुक्त शिक्षा आज भी पूरे विश्व में सर्वमान्य और प्रिय है। व्यावसायिकता आज के शिक्षा को प्रभावित कर रही है। परमात्मा दुनियां का सर्वोच्च शिक्षक है। यदि हम उनकी शिक्षाओं पर अमल करना प्रारम्भ कर दे तो यह दुनियां स्वर्गिक रूप में तब्दील हो जायेगी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा परमात्मा पूरे विश्व में ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की शिक्षा द्वारा श्रेष्ठ मानव के निर्माण का महान कार्य करा रहे हैं।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के उपकुलपति डा0 एम0 रामनाथन ने कहा कि आज शिक्षा किस तरफ जा रही है। यह हम सभी अच्छी तरह से जानते है। आज शिक्षा का उददेश्य केवल पैसा कमाना रह गया है। परन्तु उसमें आध्यात्मिकता की कमी के कारण जो परिवार और समाज प्रभावित हो रहा है। उसपर हम ध्यान नहीं दे रहे हैं। आज भौतिक शिक्षा से लोगों के अन्दर नकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। जबकि आवश्यकता है सकारात्मक परिवर्तन की। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में जो शिक्षा दी जा रही है वह व्यक्तित्व निर्माण में दुनियां में सबसे सर्वोच्च शिक्षा है। इसलिए अन्नामलाई विश्वविद्यालय तथा ब्रह्माकुमारीज संस्था के शिक्षा प्रभाग के बीच एकवर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स का समझौता हुआ है। यह पूर्ण विश्वास है कि इससे बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो पायेगी।

के0 जी हास्पिटल तथा के0 जी0 इन्स्टीटयूशन के चेयरमैन पदमश्री डा0 जी भक्तवत्सलम ने कहा कि आज जिस तरह से समाज क्षेत्रवाद और धर्मवाद में बंट रहा है यह गिरते शिक्षा के स्तर का प्रमाण है। वास्तव में शिक्षा का अर्थ समझ से है और संसार का प्रत्येक प्राणी परमात्मा की संतान है। इसलिए इसमें बंटवारे की कोई गुंजाईश नहीं होनी चाहिए। वास्तव में आज ऐसी ही शिक्षा की आवश्यकता है। इस संस्था से जो संदेश पूरे विश्व में प्रसारित किया जा रहा है वह पूरी दुनियां को एकता के सूत्र में पिरोने में सहायक होगा। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए आई न्यूज चैनल हैदराबाद के चेयरमैन एम0 एन0 राजू ने कहा कि आज अमेरिका आदि देशों में विज्ञान की तरक्की तो हो रही है परन्तु मूल्यों के लिए कोई स्थान नहीं है। जबकि भारत में इसकी विरासत है। जो मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाती है। वास्तव में आज शिक्षा में बदलाव की आवश्यकता है।

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र0 कु0 निर्वैर ने अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस महासम्मेलन से समाज में अच्छा संदेश जायेगा जो श्रेष्ठ समाज के निर्माण में सहायक होगा। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र0 कु0 मृत्युंजय ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस सम्मेलन का उददेश्य एक शिक्षित समाज का निर्माण करना है। शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र0 कु0 हरीश शुक्ला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन ब्र0 कु0 शीलू ने किया। इससे पूर्व सम्मेलन का मुख्यअतिथियों तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन किया गया।

ब्रह्माकुमारीज संस्था तथा अन्नामलाई विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

आबू रोड, 28 मई, निसं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षा प्रभाग द्वारा शिक्षा में मूल्य पाठयक्रम को अन्नामलाई विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स के रूप में लागू करने के लिए आज विधिवत लांचिग किया गया। इसपर शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष, ब्र0 कु0 निर्वैर, उपाध्यक्ष, ब्र0 कु0 मृत्युंजय, राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर डा0 हरीश शुक्ला तथा अन्नामलाई विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डा0 एम0 रामनाथन ने संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी के समक्ष समझौते की घोषणा की गयी।

फोटो 28 एबीआरओपी 1, 2, 3 सम्मेलन को सम्बोधित करती दादी जानकी, ब्रह्माकुमारीज संस्था के शिक्षा प्रभाग तथा अन्नामलाई विश्वविद्यालय के एमओयू सम्बन्धित पाठयक्रम के साथ अतिथि।